आप अकेले नहीं कर सकते — सेवा एक टीम प्रयास है

जीवन और सेवा में एक महत्वपूर्ण सत्य है: आप सब कुछ अकेले नहीं कर सकते। ईश्वर ने कभी यह नहीं चाहा कि कोई एक व्यक्ति अकेले उनका काम पूरा करे।

सोचिए कि एक कार कैसे बनती है। जो इंजन डिजाइन करता है, उसे टायर बनाने वाले की जरूरत होती है। और इलेक्ट्रिकल सिस्टम के लिए एक और विशेषज्ञ चाहिए। कार तभी ठीक से चलती है जब कई लोग अपनी-अपनी खास क्षमताओं से योगदान देते हैं। सेवा में भी ऐसा ही है।

बाइबिल का उदाहरण: फिलिप, पतरस और यूहन्ना
प्रेरितों के काम 8 में हम देखते हैं कि ईश्वर ने नए विश्वासियों के जीवन के विभिन्न चरणों में अलग-अलग लोगों का उपयोग कैसे किया। फिलिप सामरिया गया और यीशु की अच्छी खबर सुनाई। कई ने विश्वास किया और बपतिस्मा लिया। लेकिन बात यहीं खत्म नहीं हुई। यरूशलेम के प्रेरितों ने पतरस और यूहन्ना को भेजा ताकि वे नए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें और वे पवित्र आत्मा प्राप्त करें।

प्रेरितों के काम 8:12-17 (Hindi Bible – Common Version)
“जब उन्होंने फिलिप पर विश्वास किया, जिसने उन्हें
परमेश्वर के राज्य की अच्छी खबर और यीशु मसीह के नाम का प्रचार किया, तो पुरुष और महिलाएं दोनों बपतिस्मा लिये गए। … जब यरूशलेम के प्रेरितों ने सुना कि सामरिया ने परमेश्वर

का वचन स्वीकार किया है, तो उन्होंने पतरस और यूहन्ना को सामरिया भेजा।
जब वे वहाँ पहुँचे, तो उन्होंने नए विश्वासियों के लिए प्रार्थना की ताकि वे पवित्र आत्मा प्राप्त करें,
क्योंकि पवित्र आत्मा अब तक किसी पर नहीं आया था; वे केवल
प्रभु यीशु के नाम पर बपतिस्मा लिये गए थे।
फिर पतरस और यूहन्ना ने उन पर हाथ रखे, और उन्होंने पवित्र आत्मा प्राप्त किया।”

ध्यान दें: फिलिप प्रचार करता है और बपतिस्मा देता है, लेकिन पतरस और यूहन्ना पवित्र आत्मा के भरने के लिए प्रार्थना करते हैं। यह दिखाता है कि सेवा में कई परतें होती हैं, और ईश्वर अलग-अलग लोगों को अलग-अलग काम सौंपता है। प्रतिस्पर्धा के लिए कोई जगह नहीं—सिर्फ सहयोग।

मसीह के शरीर
प्रेरित पौलुस हमें मसीह के शरीर में एकता और विविधता की शक्तिशाली सिखावन देते हैं। 1 कुरिन्थियों 12:12 में वे लिखते हैं:

“जिस प्रकार एक शरीर होते हुए भी उसमें कई अंग होते हैं, परन्तु सारे अंग एक शरीर होते हैं, वैसे ही मसीह भी।”

पौलुस इस बात पर जोर देते हैं कि हर सदस्य की एक भूमिका होती है, और कोई यह न सोचे कि वह सब कुछ अकेले कर सकता है या करना चाहिए। यह सच्चाई उनके अपने सेवा विवरण में भी दिखती है:

1 कुरिन्थियों 3:6-7 (Hindi Bible – Common Version)
“मैंने बीज बोया, अपोल्लोस ने सींचा, परन्तु परमेश्वर ने
बढ़ावा दिया।
इसलिए न बोने वाला कुछ है, न सींचने वाला, परन्तु परमेश्वर
जो बढ़ावा देता है।”

यहाँ पौलुस कह रहे हैं: “मैंने काम शुरू किया, अपोल्लोस ने उसे आगे बढ़ाया — लेकिन असली परिणाम लाने वाला परमेश्वर है।” सच्चा आध्यात्मिक विकास परमेश्वर का कार्य है, भले ही वह मनुष्यों का उपयोग करता है।

क्या आप दूसरों को अपने शुरू किए काम को आगे बढ़ाने देंगे? यदि आप ईश्वर के सेवक हैं, तो यह चुनौती है:
क्या आप किसी और को वह काम जारी रखने की अनुमति देंगे जो आपने शुरू किया?

यह प्रश्न आज बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि कई लोग अपनी सेवा के प्रति क्षेत्रीय सोच रखते हैं। लेकिन प्राचीन चर्च साझेदारी से काम करता था, मालिकाना हक से नहीं। यदि ईश्वर कोई दूसरा सेवक भेजता है — जिसे आप जानते हैं कि वह सच्चा और बाइबिलीय है — तो क्या आप उसे उन लोगों को आगे बढ़ाने देंगे जिन्हें आपने पहले पहुँचाया?

बेशक, विवेक आवश्यक है। हर कोई जो स्वयं को ईश्वर का सेवक कहता है, वह ऐसा नहीं होता (देखें 2 कुरिन्थियों 11:13-15)। लेकिन जब कोई स्पष्ट रूप से सत्य और विनम्रता में चलता है, तो हमें सहयोग करने को तैयार रहना चाहिए, जैसे प्रेरित करते थे।

इफिसियों 4:16 (Hindi Bible – Common Version)
“वही से पूरा शरीर, जो हर जोड़ से जोड़कर, प्रेम में बढ़ता और स्वयं को मजबूत करता है, क्योंकि प्रत्येक भाग अपना कार्य
करता है।”

हमें एक-दूसरे की जरूरत है
सेवा कोई अकेले का खेल नहीं है। यह मसीह के पूरे शरीर का कार्य है, जो पवित्र आत्मा द्वारा समर्थित है और स्वयं ईश्वर द्वारा निर्देशित।

जब हम अपनी सीमाओं को पहचानते हैं और दूसरों के योगदान को महत्व देते हैं, तो हम प्रारंभिक चर्च की एकता को प्रतिबिंबित करते हैं—और उससे भी ज्यादा, मसीह के हृदय को।

प्रभु हमें विनम्रता से सेवा करने, एकता में काम करने और उस विकास का जश्न मनाने में मदद करें जो केवल ईश्वर ला सकता है।

Share on:
WhatsApp